

आजाद सिपाही



FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)



D. Pharma

Total fee of Two Years- 14700/-

(No Any Extra Fee)

ADMISSION OPEN
AT- NAWADHI, POST- ORKHAR,
DHANWAR, GIRIDIH, JH-825412
6201100402
9155140177

न्यूज रील्स

11 को मिशनरी
स्कूलों में अवकाश

रंगी। कांडिल तेलसफ्ट टोपी का पार्टी शर्म 11 अक्टूबर को संत मिशनरी महासिंहा धर्म अवकाश जायेगा। इसके लिए झारखण्ड के सभी मिशनरी स्कूलों में 11 अक्टूबर को छुट्टी की घोषणा की गयी है।

गढ़बंधन मजबूत है : येपुरी
पटना। सोमवार को पटना मार्केट के राष्ट्रीय महासिंह धर्म अवकाश येपुरी में बैंद्र सरकार में जमकर विशेषान्वयन साधा। उन्होंने कहा कि आइनडीआईए गढ़बंधन मजबूत है। देखें वाले देखते रहेंगे। हमें देश के लोगों की चिंता है।

शाहरुख को मिली सुरक्षा

मुंबई। बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान को मुंबई पुलिस ने वाई+ सिक्योरिटी दी है। शाहरुख को जान से मारने की धमकी मिली है।

क्लॉडिया को नोबेल

नयी दिल्ली। अमेरिका की क्लॉडिया गोल्डिंग को इंडोनेशियन का बोनेल प्राइज मिला है। उन्हें मार्केट में महिलाओं के कामकाज और उनके योगदान को बेहतर तरह से सम्मान किया गया है। कमेटी ने लेबर मार्केट में गोल्डिंग के रिसर्च को बेहतर माना है। भारत में यह सम्मान अमर्त्य सेन को मिल चुका है।

मुख्यमंत्री ने सिक्किया में लिफ्ट सिंचाई परियोजना का किया शिलान्यास
गंगा नदी का पानी खेतों तक पहुंचेगा : हेमंत सोरेन

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि हर खेत को मिले पानी। इसी प्रतिवाद के साथ हम तेजों से अगे बढ़ रहे हैं। इसी कड़ी का एक हिस्सा बनें जा रही है, सिक्किया में लिफ्ट सिंचाई योजना। इस सिंचाई योजना में भूमिगत पाइपलाइन के जरिये खेतों में पर्याप्त में सिक्किया में लिफ्ट सिंचाई योजना के शिलान्यास समारोह में बोल रखे थे। उन्होंने कहा कि अनेकाले दिनों में किसान टांड में भी सालों भर खेतों कर सकेंगे, क्योंकि सरकार यहां भी सिंचाई के लिए पानी पहुंचाने की दिशा में काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमेशा यह बात सुनने को मिलती थी कि झारखण्ड के डैम, बराज और बांटूर रिजर्वायर के पानी का इस्तेमाल झारखण्ड के किसान नहीं बल्कि दूसरे राज्यों के द्वारा किया जा रहा है। ऐसे में यहां के पानी का इस्तेमाल यहां के लोग करें, इस दिशा में कार्य योजना बना कर उसके विद्यान्वयन की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अनेकाले दिनों में गंगा नदी का पानी भी पाइपलाइन के जरिये खेतों में पहुंचेगा। इस अवसर पर कृषि मंत्री बादल, पर्वतन, कला - संस्कृत खेलकूट एवं युवा कार्य मंत्री हफ्ते जुलाई हसन, विधायक इरकान अंसरारी के अलावा वरिष्ठ अधिकारी मैनेजर थे।

(संबंधी खबर पेज 03)



पानी का समुचित इस्तेमाल हो सकेगा

विरोधी भेड़िए की तरह, एक साथ आते हैं हमला करने: सीएम

देवघर (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सिक्किया में लिफ्ट सिंचाई योजना के शिलान्यास मौके पर विधायी दलों पर जम कर बरसे। उन्होंने कहा कि विरोधी भेड़िए की तरह हैं। एक साथ आते हैं हमला करने। वे जानते हैं कि मुख्यमंत्री को अकेले पटकना आसान नहीं है। मुझे भ्राताचारी बताया जाता है। कभी - कभी दुख होता है। हिन्दू मुस्लिम करने से पेट भराया है क्या? विपक्ष के जाति, धर्म के अलावा कुछ नहीं है।

विपक्ष के बढ़कावे को नजरअंदाज करके देखिए। ये लोगों को लडायेंगे, वही राजनीतिक रोटी सेकेंगे। झारखण्ड के लोग एक साथ रहे हैं, एकजुट रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में लगभग 70 फीसदी से अधिक लोग खेती से जुड़े हैं। मैं समझ नहीं पाया कि अब तक की सरकार ने इन लोगों को नजरअंदाज केरसे कर दिया, यह विचित्र है। अधिकारियों को बैठकावी देते हुए कहा कि जनता से आपकी शिक्षियत नहीं आती जाहिए। हमारा राज्य गुरुत्व और महाराष्ट्र से भी आगे बढ़ा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें विरोधी भ्राताचारी बता रहे हैं। कोई अपने घर में चारी करता करता है। डबल झाँज की सरकार वालों ने डबल खाया। उन्हें कुनूजों को पेशन नहीं किया गया। गरीब और विधायाओं की अंख का पानी पुरानी सरकार ने नहीं पोछा। विधाया के लिए भी पुरानी सरकार ने उम्र तय कर रखी थी। हमने उम्र सीमा हटायी। कठन तय करेगा कि कौन कब



कार्यसमिति ने लिया है और आम समझति से लिया है। कमरे में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं था, जिसे अपना पूरा समर्थन जातीय जनगणना की अवधारणा को न दिया हो। यह काफी खुशी की बात है। हमारे यहां मुख्यमंत्री ने भी फैसला लिया है कि वे भी राजस्थान, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश में जातीय जनगणना को आगे बढ़ावा देंगे। ताकि इस राज्य के लोगों को कोई बेवफ़ा कर न सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ण की सरकारों ने विधायी वालों को समाज की साजिश रखी है। आपने देखा होता है कि देश की राजनीति में किसानों ने एक साल तक विशेष प्रदर्शन किया। अगर आज वह कानून लागू हो जाता, तो इन्होंने किसान हाथ खड़ा कर यह बताने की स्थिति नहीं होती कि वे खेती से जुड़े हैं।

कहा, हिन्दुस्तान के भविष्य के लिए जातिगत जनगणना जरूरी है। जातिगत जनगणना के बाद विकास का एक नया रास्ता खोना। कांग्रेस पार्टी इस काम को पूरा करके ही छोड़ेगी। यह रखिए, जब जो हम बात करते हैं, उसे तोड़ते नहीं हैं। हमारे यहां मुख्यमंत्री ने भी फैसला लिया है कि वे भी राजस्थान, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश में जातीय जनगणना को आगे बढ़ावा देंगे। राहुल ने कहा कि आज दो हिन्दुस्तान बन रहे हैं। एक अडाणी बाला, दूसरा सबका। इसलिए हम जाति आधारित गणना के बाद अर्थात् सर्वेक्षण' भी करेंगे।

देश के भविष्य के लिए जातीय जनगणना जरूरी: राहुल

जाति आधारित गणना के बाद अर्थात् सर्वेक्षण नी

जहां जीर्णे वाहन नी हागी जातीय जनगणना

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। पांच राज्यों में विधायासभा चुनावों की तारीखों के बीच गांधीसंकाय कांग्रेस का अवधारणा की विधायी विधायियों को नियुक्त किया गया। इसके बाद विधायियों ने अपने घरों में जातीय जनगणना को आगे बढ़ावा दिया।

राज्य में अपराध पीड़ित महिलाओं को नहीं मिल रहा है।

जातीय जनगणना के अभाव और प्रक्रियागत जिलालों के कानूनी विवरणों की विवरणों के बीच गांधीसंकाय का अवधारणा की विधायी विधायियों को नियुक्त किया गया। इसके बाद विधायियों ने अपने घरों में जातीय जनगणना को आगे बढ़ावा दिया।

जातीय जनगणना को आगे बढ़ावा दिया जाता है।

जाती

संपादकीय

हमास का हमला

ऐ से समय जब दुनिया पहले ही युक्तेन-रूस युद्ध से उपजी चुनौतियों से जूँझ रही है, फलस्तीनी मिलिटेंट गुरु हमास की ओर से इजरायल पर किया गया हमला कई लिहाज से चिंताजनक है। एक तो यह कि जिस तरह के समान्वित प्रयासों के साथ और जितने बड़े पैमाने पर यह हमला हुआ है, वह हैत में डालता है। दूसरे, शनिवार को हमास की ओर से हुए इस हमले के बाद रखिवार को लेखनाम से एक अन्य इस्लामी मिलिटेंट सूप हिजबुल्ला ने भी मोटरर हमले किये। इन हमलों की संयोजनशीलता को देखते हुए ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपनी पहली ही प्रतिक्रिया में दो बातें बिल्कुल साफ कर दी। एक तो उन्होंने कहा कि इजरायल को अमेरिका हर तरह का मुनासिब समर्थन देने को चाहता है। दूसरी, उन्होंने चेतावनी भी दी कि इजरायल से दुश्मनी रखने वाला कोई भी पक्ष सदैह सख्त करती रिख रही है, जबकि यूरोप में रूस समर्थक राजनीतिक ताकतें ताकत हासिल कर रही हैं। शेष विश्व में युद्ध लगातार अद्वितीय होता जा रहा है, तो हम युद्ध में कहाँ खड़े हैं और इसका परिणाम कैसा हो सकता है, यह सवाल सबके दिवाप में है।

जहां तक भारत की बात है, तो घटना के बाद विदेश निरायल ने गोले ही तकाल कोई बहाना नहीं किया हो, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बयान आतंकी हमले को स्वतंत्र करने वाला बताते हुए इस आशका को दूर करना सबसे पहले जरूरी है कि ताजा आतंकी हमले से पैदा हुआ तनाव अन्य क्षेत्रों में न फैले। जहां तक भारत की बात है, तो घटना के बाद विदेश मंत्रालय ने भले ही तकाल कोई बयान जारी नहीं किया हो, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का द्वीपीय सामने आतंकी हमले को स्वतंत्र

करने वाला बताते हुए इस कठिन समय में इजरायल के साथ एक जुटाता दिखायी गयी। इसके पाछे जहां आतंकवाद पर किसी भी तरह का समझौता न करने की भारत की प्रतिबद्धता निहित है, वहां हाल के बापों में इजरायल के साथ भारत की बात है।

यह युद्ध में जो कुछ भी दाव पर लगा था, उसे दोहराना उचित है। खास कर भारत में जहां रूस के लिए यौन समर्थन चर्चा में हाली रहा है। यदि यूक्रेन के प्रति रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आक्रमकता सफल हो जाए, तो इससे अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के 3 महत्वपूर्ण सिद्धांत उलट जाते। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह केवल दूसरी बार होगा कि किसी देश ने किसी अन्य देश को समग्र रूप से अपने में मिलाने की कोशिश की होगी।

भारत ने सही तरह दिया है कि युद्ध 21वीं सदी का रासाना नहीं है, लेकिन

अगर पुतिन अपनी योजना में

सफल हो जाते, तो उन्होंने

प्रतिशोध के साथ विश्व

राजनीतिक सिद्धांत के

रूप में युद्ध को

प्रोत्साहित किया होता।

यह महत्वपूर्ण था कि पुतिन

को पुतिन के बाप जाये।

एकमात्र सवाल यह था

कि ऐसे करने का सबसे

कम विनाशकारी साधन क्या

था? संभावित रूप से एक तीसरा मुद्दा

दाव पर था। वह था परमाणु धृत्यारों

का संभावित उपयोग। जब तक

हथियार मौजूद हैं, वह खतरा पूरी तरह

से खत्म नहीं होता, लेकिन कम से कम

यह अधिकार है, लेकिन ऐसा लगता है कि युद्ध

सभी के लिए सब कुछ है, कैसे

उद्देश्यों के लिए सब

कुछ है, कैसे कम से कम

उद्देश्यों में अगले

राष्ट्रीय धूम्रता

तक।

कम विनाशकारी साधन क्या

था? संभावित रूप से एक तीसरा मुद्दा

दाव पर था। वह था परमाणु धृत्यारों

का संभावित उपयोग। जब तक

हथियार मौजूद हैं, वह खतरा पूरी तरह

से खत्म नहीं होता, लेकिन कम से कम

यह अधिकार है, लेकिन ऐसा लगता है कि युद्ध

सभी के लिए सब कुछ है, कैसे

उद्देश्यों के लिए सब

कुछ है, कैसे कम से कम

उद्देश्यों में अगले

राष्ट्रीय धूम्रता

तक।

इस घटना पर चीन जैसे पुतिन के

सहयोगियों ने सही तरह दिया है कि युद्ध

21वीं सदी का रासाना नहीं है, लेकिन

अगर पुतिन अपनी योजना में

सफल हो जाते, तो उन्होंने

प्रतिशोध के साथ विश्व

राजनीतिक सिद्धांत के

रूप में युद्ध को

प्रोत्साहित किया होता।

यह युद्ध के बाद विनाशकारी

साधन क

હિદયત : વિદ્યાલય વ જન વિતરણ પ્રણાલી વિક્રોતા કે પ્રતિ લોગોને કી જ્યાદા શિકાયતે જનતા કો બેવજહ પરેશાન ન કરેં અન્યથા કાર્ટવાઈ કે લિએ સભી તૈયાર રહેં : મુખ્યિય

- ઝારગડા પંચાયત સંવિવાલા મેં વિકાસ યોજનાઓની લેકર હું ચર્ચા
- ઝારગડા મેં પુલિસ પિકેન્ટ કી સ્થાપના કો લેકર ડીની આવેદન દેને કા નિર્ણય

આજાદ સિપાહી સંવાદદાતા

હુસેનાબાદ। પ્રષ્ટદંડ કે ઝારગડા પંચાયત સંવિવાલા મેં મુખ્યિયા અશોક ચૌધરી કી અધ્યવસાન મેં સલાના સમાધાન કૈટક હું। જિસમે મનરેણ, 15વેં વિત આંગેં, શિક્ષા, સ્વાસ્થ્ય, વિદ્યાલય મેં બચ્ચોની વિદ્યાલય



કૈટક મેં શામિલ મુખ્યિયા અશોક ચૌધરી વાંન્ય

ઉપરિસ્થિત, મદ્ઘાન ભોજન, જન પર વિસ્તૃત ચર્ચા કી ગઈ। સંબંધિત વિતરણ પ્રણાલી, અંગનવાડી એવં સંપી વિભાગ કર્મિનોની સંવોધિત કરતે હુએ મુખ્યિયા અશોક ચૌધરી

પેયજલ સે સંબંધિત સભી બચ્ચોની વિષયોની

રામચંદ્ર સિંહ ચુને ગયે ચેરો મહાસભા કે રાષ્ટ્રીય સંયોજક



(આજાદ સિપાહી) | રાજા મેદિની રાય તરણ કાર્યક્રમ સહ અખિલ ભારતીય ચેરો જનની યાત્રા મેં રાષ્ટ્રીય સંયોજક એવં સંરક્ષક કે તૈયા પણ કે વિદ્યાલય રામચંદ્ર સિંહ એવં રાષ્ટ્રીય અધ્યક્ષ દુર્ઘાતી ઉત્તર પ્રદેશ એવં રાષ્ટ્રીય સંયોજક એવં સંરક્ષક કે વિદ્યાલય રામચંદ્ર સિંહ, પ્રદેશ એવં રાષ્ટ્રીય અધ્યક્ષ કુમાર સિંહ, વિનંતિ એવં રાષ્ટ્રીય સંયોજક એવં સંરક્ષક કે વિદ્યાલય રામચંદ્ર સિંહ, પ્રદેશ એવં રાષ્ટ્રીય અધ્યક્ષ દુર્ઘાતી ઉત્તર પ્રદેશ, એવં રાષ્ટ્રીય સંયોજક રામચંદ્ર કો ચુના ગયા। તુક બાતોની કી જાનકારી ઉપરિસ્થિત થે।

અંગ્રૂઠા લગવા કર રાશન નહીં દેને પર કાર્ડધારિયોને કિયા વિરોધ પ્રદર્શન

(આજાદ સિપાહી) | સત્તબરવા પલામુ કાર્યાલય મેં સોમવાર કો સેકડોની કાર્ડ ધારિયોને ન આવે ડીલર વિદ્યાલય સહિત સમાચારોની વિદ્યાલય સમૂહ પર સિંતબર મહીને કે રાશન નહીં દેને કા આરોપ લગતે હુએ વિરોધ પ્રદર્શન કિયા। સાથી હું ન પ્રખ્યંડ ખાદ આપૂર્ણ પદાધિકારી એવં રાંબંદ કુમાર ને બતાત્યા કી આવેદન મિલા હૈ। જિસમે 40 સે 50 લોગોની નામ હૈ જિન્હે અંગ્રૂઠા લગવા કર એ સ્વયં સહાયતા સમૂહ દ્વારા માહ કી રાશન નહીં દેવા યાત્રા હૈ। ઇસકી જાંચ હોણી ઔર રાશન દિલાયા જાણા એવાં કે આશાવસન કે લગવા કર ભોગ એવાં કે અંગ્રૂઠા ગ્રામ જાંચાયત કે ડીલર વિદ્યાલય સહિત સમૂહ દ્વારા અંગ્રૂઠા સહિત કે વિદ્યાલય નહીં દેવા યાત્રા હૈ। રાશન માંગને પર સમૂહ કે લોગોને દ્વારા સાથી એવાં કે અંગ્રૂઠા ના આત્મા એવી આજ તાકિ દુર્ગંધ ના આત્મા। વહી આજ ઉપરિસ્થિત થે।

સંતબરવા/પલામુ (આજાદ સિપાહી) | કહ રહે હૈ કી જહાં શિકાયત કરીની હો કર સકતે હૈનું। ઉનકે કોઈ કુછ નહીં વિગાડ સકતા હૈ।

અગે સે રાશન આચા હીની હૈ, તો કહાં સે દેં। વહી, પ્રખ્યંડ ખાદ આપૂર્ણ પદાધિકારી એવં રાંબંદ કુમાર ને બતાત્યા કી આવેદન મિલા હૈ।

જાનકારી કે અનુસાર મૂત્રક શુક્રવાર કી રાત 8.30 બજે રહેહતા થાના કે ડેંડિલા ખુર્દ સહિત એવં સ્વયં સહાયતા સમૂહ દ્વારા માહ કી રાશન નહીં દેવા યાત્રા હૈ। ઇસકી જાંચ હોણી ઔર રાશન દિલાયા જાણા એવાં કે આશાવસન કે બાદ લોગોને શાંત હું। સોકે પર સહોદરી દેવી, લલિતા દેવી, નેહા કુમારી, મહોલા દેવી, અંજૂ દેવી, અનીતા દેવી, શિમલા દેવી આદિ થીની એવાં કે અંગ્રૂઠા ના આત્મા।

જાનકારી કે અનુસાર મૂત્રક શુક્રવાર કી રાત 8.30 બજે રહેહતા થાના કે ડેંડિલા ખુર્દ સહિત એવં સ્વયં સહાયતા સમૂહ દ્વારા માહ કી રાશન નહીં દેવા યાત્રા હૈ। ઇસકી જાંચ હોણી ઔર રાશન દિલાયા જાણા એવાં કે આશાવસન કે બાદ લોગોને શાંત હું। સોકે પર સહોદરી દેવી, લલિતા દેવી, નેહા કુમારી, મહોલા દેવી, અંજૂ દેવી, અનીતા દેવી, શિમલા દેવી આદિ થીની એવાં કે અંગ્રૂઠા ના આત્મા।

જાનકારી કે અનુસાર મૂત્રક શુક્રવાર કી રાત 8.30 બજે રહેહતા થાના કે ડેંડિલા ખુર્દ સહિત એવં સ્વયં સહાયતા સમૂહ દ્વારા માહ કી રાશન નહીં દેવા યાત્રા હૈ। ઇસકી જાંચ હોણી ઔર રાશન દિલાયા જાણા એવાં કે આશાવસન કે બાદ લોગોને શાંત હું। સોકે પર સહોદરી દેવી, લલિતા દેવી, નેહા કુમારી, મહોલા દેવી, અંજૂ દેવી, અનીતા દેવી, શિમલા દેવી આદિ થીની એવાં કે અંગ્રૂઠા ના આત્મા।

જાનકારી કે અનુસાર મૂત્રક શુક્રવાર કી રાત 8.30 બજે રહેહતા થાના કે ડેંડિલા ખુર્દ સહિત એવં સ્વયં સહાયતા સમૂહ દ્વારા માહ કી રાશન નહીં દેવા યાત્રા હૈ। ઇસકી જાંચ હોણી ઔર રાશન દિલાયા જાણા એવાં કે આશાવસન કે બાદ લોગોને શાંત હું। સોકે પર સહોદરી દેવી, લલિતા દેવી, નેહા કુમારી, મહોલા દેવી, અંજૂ દેવી, અનીતા દેવી, શિમલા દેવી આદિ થીની એવાં કે અંગ્રૂઠા ના આત્મા।

જાનકારી કે અનુસાર મૂત્રક શુક્રવાર કી રાત 8.30 બજે રહેહતા થાના કે ડેંડિલા ખુર્દ સહિત એવં સ્વયં સહાયતા સમૂહ દ્વારા માહ કી રાશન નહીં દેવા યાત્રા હૈ। ઇસકી જાંચ હોણી ઔર રાશન દિલાયા જાણા એવાં કે આશાવસન કે બાદ લોગોને શાંત હું। સોકે પર સહોદરી દેવી, લલિતા દેવી, નેહા કુમારી, મહોલા દેવી, અંજૂ દેવી, અનીતા દેવી, શિમલા દેવી આદિ થીની એવાં કે અંગ્રૂઠા ના આત્મા।

જાનકારી કે અનુસાર મૂત્રક શુક્રવાર કી રાત 8.30 બજે રહેહતા થાના કે ડેંડિલા ખુર્દ સહિત એવં સ્વયં સહાયતા સમૂહ દ્વારા માહ કી રાશન નહીં દેવા યાત્રા હૈ। ઇસકી જાંચ હોણી ઔર રાશન દિલાયા જાણા એવાં કે આશાવસન કે બાદ લોગોને શાંત હું। સોકે પર સહોદરી દેવી, લલિતા દેવી, નેહા કુમારી, મહોલા દેવી, અંજૂ દેવી, અનીતા દેવી, શિમલા દેવી આદિ થીની એવાં કે અંગ્રૂઠા ના આત્મા।

જાનકારી કે અનુસાર મૂત્રક શુક્રવાર કી રાત 8.30 બજે રહેહતા થાના કે ડેંડિલા ખુર્દ સહિત એવં સ્વયં સહાયતા સમૂહ દ્વારા માહ કી રાશન નહીં દેવા યાત્રા હૈ। ઇસકી જાંચ હોણી ઔર રાશન દિલાયા જાણા એવાં કે આશાવસન કે બાદ લોગોને શાંત હું। સોકે પર સહોદરી દેવી, લલિતા દેવી, નેહા કુમારી, મહોલા દેવી, અંજૂ દેવી, અનીતા દેવી, શિમલા દેવી આદિ થીની એવાં કે અંગ્રૂઠા ના આત્મા।

